

30/11/19 (गणपति) पेशा हूँ। प्राथी अति उक्त।
 अति को पूरा करे पेशा प। अक्षर
 के लयी पते के नो रिप पेशा करने रहे
 रिशारे दी गति सिन्धु नो रिप पेशा गही
 छिप। अतः पेशा की उतर म तपनी व
 में पेशा की बात है। पेशा की पेशा
 शुभा। शुभा। शुभा। (पेशा के आरे।
 शुभा। शुभा। शुभा।

